क्षेत्रवाद (REGIONALISM)

Prepared by
Ms. Kanchan
Paper Code: BSS-122

क्षेत्रवाद क्या है?
(What is Regionalism)

- क्षेत्रवाद एक ऐसी सोच या विचारधारा है जो किसी क्षेत्र विशेष से सबंधित होती है और धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक कारणों से अपने पृथक अस्तित्व के लिये जाग्रत है और अपनी पृथकता को बनाए रखने का प्रयास करता रहता है।

Cont.

इसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों अर्थ हैं-

- सकारात्मक(Positive) अर्थ में अपने क्षेत्र विशेष से लगाव होने से है जो उसकी सांस्कृतिक राजनीतिक, आर्थिक विकास में सहायक होता है.
- नकारात्मक(Negative) अर्थ में अपने क्षेत्र के लोंगो को अन्य क्षेत्र के लोंगो से प्राथमिकता देना जो हिंसा अलगाव और आतंकवाद में भी परिलक्षित होता है

क्षेत्रवाद के प्रकार(Types) :

- किसी क्षेत्र द्वारा भारतीय संघ से संबंध विच्छेद करने की मांग।
- एक पृथक राज्य बनाने की मांग द्वारा।
- किसी क्षेत्र को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग।
- अंतर्राज्यीय मसलों में अपने पक्ष में समाधान पाने की मांग द्वारा, जैसे- प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार आदि।

भारत में क्षेत्रवाद के कारण (Reasons of Regionalism in India)

- भाषाई पहचान(Lingustic Identity) – स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भाषाई आधार पर राज्यों का निर्माण समुदायों द्वारा अपनी अलग भाषाई पहचान स्थापित करने की मांग के चलते किया गया था।
- असंतुलित विकास(Uneven Development)- भारत में राज्यों के बीच और राज्यों के अंदर भी विकास-प्रक्रिया में विषमता विद्यमान है। एक ओर जहाँ रोज़गार की तलाश में मुंबई आए उत्तर प्रदेश, बिहार के कामगारों को मराठी क्षेत्रवाद का सामना करना पड़ता है, वहीं महाराष्ट्र के अन्य इलाकों से कम विकसित होने के कारण ही विदर्भ में अलग राज्य की मांग उठती रहती है।

- ऐतिहासिक कारण (Historical reason)- इतिहास क्षेत्रों की पहचान निर्धारित करने में विशेष भूमिका निभाता है। उदहारण के लिए पूर्वोत्तर में नए राज्य "नगालिम" या ग्रेटर नागालैंड की मांग ऐसे ही ऐतिहासिक दावे पर आधारित है।

Cont.

- नृजातीय पहचान (Ethnic Identrity)– विभिन्न जनजातीय समूहों द्वारा अपनी नृजातीय पहचान को सुरक्षित बनाए रखने के प्रयास भी क्षेत्रवाद का कारण बनते हैं, जैसे- बोडोलैंड और झारखण्ड का आंदोलन।
- धार्मिक पहचान(Religious Identity) – पृथक खालिस्तान की मांग अपनी धार्मिक पहचान को आधार बनाकर ही की जाती रही है।
- स्थानीय और क्षेत्रीय राजनेताओं की स्वार्थपरक राजनीति(Selfish Politics) उनकी संकीर्ण महत्वकांछा ने भी क्षेत्रवाद को पनपने में मदद की है।

भारत में क्षेत्रवाद को रोकने के लिए किये गए उपाय(Initiatives Taken)

- भारतीय संविधान राज्यों के क्षेत्रों को पुनर्गठित करने की शक्ति प्रदान करता है।
- भारतीय के संविधान में आदिवासी समूहों के क्षेत्रों के लिए स्व-शासन हेतु पांचवी अनुसूची से सातवीं अनुसूची में अनेक प्रावधान किए गए हैं। इसमें सातवीं अनुसूची(seventh schedule) के तहत केन्द्र-राज्य के मध्य विभिन्न विधायी शक्तियों का भी विभाजन(division of Power) किया गया है।

- भारत में भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया है।
- भाषा का अधिकार वस्तुतः भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30 के अंर्तगत "अल्पसंख्यक-वर्गों के लिए सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार" के तहत मूल अधिकार का एक भाग है।
- हिंदी और अंग्रेजी भाषा के अतिरिक्त, अनुच्छेद 345 और 347 (संविधान की आठवीं अनुसूची में प्रदत्त) के तहत राज्य स्वयं की आधिकारिक भाषा(Official language) को मान्यता प्रदान कर सकते हैं।

- गरीबी और पिछड़ेपन के कारण कुछ राज्यों को विशेष राज्य (special status to states) का दर्जा दिया गया है
- छात्र छात्राओं को देश की विविधता में एकता(Unity in diversity) का परिचय करने के लिए “एक भारत श्रेष्ठ भारत” जैसे कार्यक्रम की शुरुआत की गयी गई है

सुझाव(Suggestions)

- जनजागरूकता फैलाना
- छात्र छात्राओं विशेषकर विद्यालय महाविद्यालय में एक क्षेत्र के छात्र छात्राओं को दुसरे क्षेत्र में संस्त्कृतिक अध्ययन शोध इत्यदिके लिए छात्रवृत्ति का प्रावधान करना
- सांस्कृतिक एकता बढाने तथा छत्रवाद मिटाने के लिए कार्य करने वाले व्यक्ति तथा संस्थाओं को पुरस्कार एवं प्रोत्साहन की व्यवस्था करना
- विभिन्न क्षेत्र या राज्यों में आर्थिक असमानता, गरीबी इत्यादि दूर करने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करना

- ५. भारत के विभिन्न क्षेत्रो में फैली भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करते हुए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरों पर उसके संरक्षा का प्रयास करना
- ६. वंचित वर्ग के लोगो को समान अवसर प्रदान करना और उनकी अधिकाधिक राजनितिक सहभागिता सुनिश्चित करना

उपरोक्त प्रयासों से ही क्षेत्रवाद की नकारात्मकता दूर हो सकती है और भारत एक ऐसे फूलो अक गुलदस्ता बन सकता है जिसमे कई रंगों के फूल सजे हो